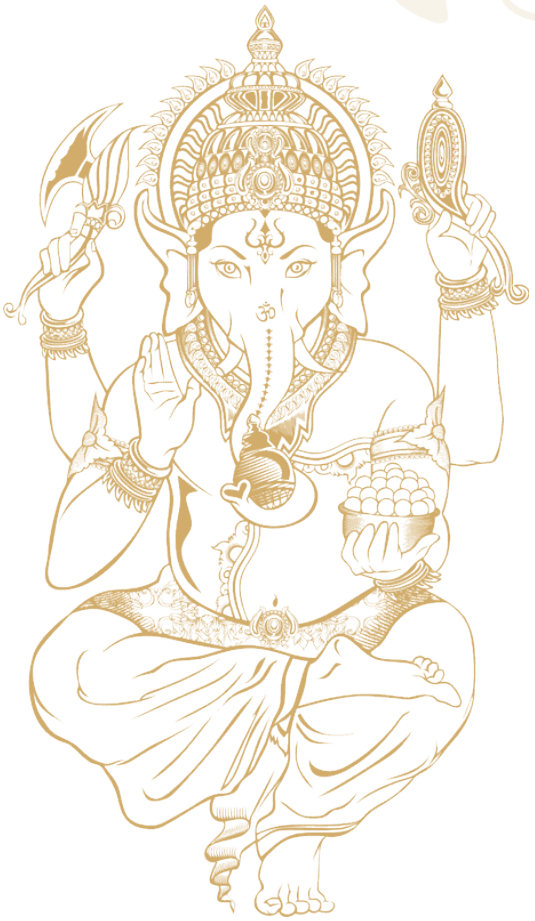

Mr.Ashutosh

Ms. Parul

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120250402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/11/1996	जन्म तिथि	20/07/1999
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 13:20:00	जन्म समय	16:40:00 घंटे
घटी 16:33:39	जन्म समय(घटी)	27:41:12 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Yamunanagar
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	30:07:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:32	सूर्योदय	05:32:06
17:28:17	सूर्यास्त	19:21:43
23:48:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:51

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 6वर्ष 3मा 26दि		04:49:37	कुंभ	लग्न	वृश्चि	25:25:34	मंगल 1वर्ष 1मा 25दि	
शुक्र		27:24:14	तुला	सूर्य	कर्क	03:27:55	गुरु	
12/03/2010		25:02:24	वृश्चि	चंद्र	तुला	04:28:19	14/09/2018	
12/03/2030		13:46:34	सिंह	मंगल	तुला	12:04:46	14/09/2034	
शुक्र	11/07/2013	04:03:43	वृश्चि	बुध व	कर्क	13:29:23	गुरु	01/11/2020
सूर्य	11/07/2014	21:05:21	धनु	गुरु	मेष	09:07:44	शनि	15/05/2023
चन्द्र	11/03/2016	24:12:52	कन्या	शुक्र	सिंह	09:36:43	बुध	20/08/2025
मंगल	11/05/2017	07:09:19	मीन व	शनि	मेष	21:55:30	केतु	27/07/2026
राहु	11/05/2020	13:21:20	कन्या व	राहु व	कर्क	19:13:54	शुक्र	27/03/2029
गुरु	10/01/2023	13:21:20	मीन व	केतु व	मक	19:13:54	सूर्य	13/01/2030
शनि	12/03/2026	07:19:29	मक	हर्ष व	मक	21:40:57	चन्द्र	15/05/2031
बुध	09/01/2029	01:33:20	मक	नेप व	मक	09:17:19	मंगल	20/04/2032
केतु	12/03/2030	08:43:17	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:07:16	राहु	14/09/2034

लग्न-चलित

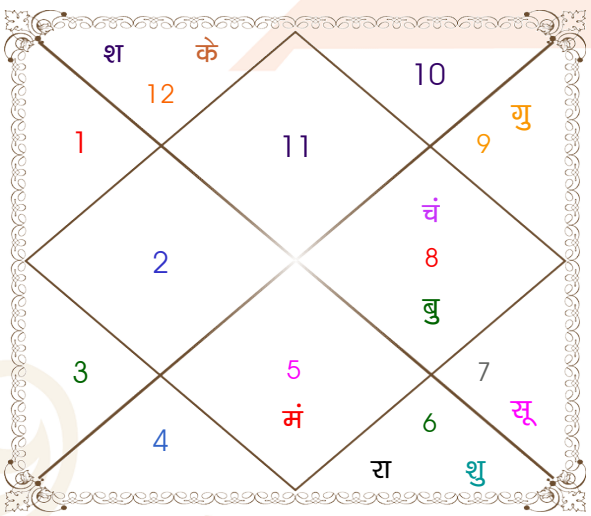

लग्न-चलित

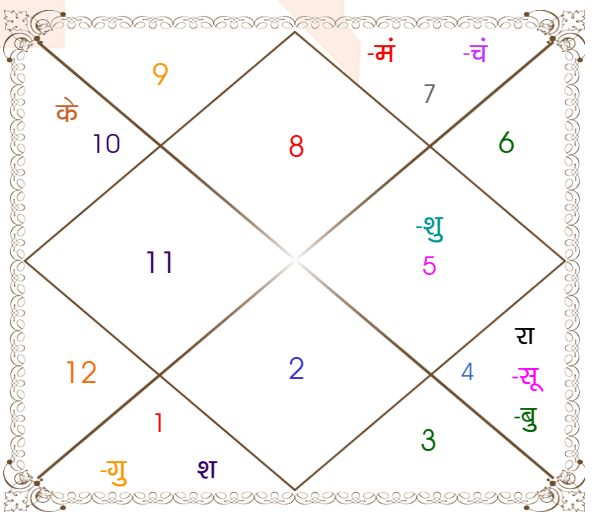

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.Ashutosh का वर्ग मृग है तथा डेण चंतनस का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Ashutosh और डेण चंतनस का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Ashutosh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mr.Ashutosh कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण चंतनस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण चंतनस कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डेण् च्तनस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण् च्तनस कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Ashutosh तथा डेण् च्तनस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।